10/2/20

आज यह पत्रावली वादी द्वारा प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करने पर पेशी में ली गई। वादी द्वारा प्रार्थना-पत्र में निवेदन किया गया कि प्रस्तुत वाद में मुझ प्रार्थी को अपने हक व हिस्से तक की भूमि प्राप्त हो चुकी है। अब हमारे व अप्रार्थीगण के मध्य किसी प्रकार का वाद-विवाद हिस्से के बाबत नहीं रहा है। अत: अब मैं उक्त वाद चलाना नहीं चाहता इसलिये मैं प्रार्थी लोक अदालत की भावना से अपना वाद / स्थगन आदेश प्रार्थना-पत्र विड्रोल करना चाहता हूँ। पत्रावली को आज की तारीख पेशी में लेकर विड्रॉल फरमाये जाने की आज्ञा प्रदान करें। प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाता है। पत्रावली जरिये विड्रॉ खारिज की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तरतीब तकमील दाखिल दफ्तर हो।

पंवरखाँ

[signature]

सहायक कलक्टर
बीकानेर शहर

Signature Not Verified
Digitally signed by Bindu Khatri
Date: 2020.02.12 14:39:54 IST
Reason: SelfAttested